न्यायियों 4

जिन दिनों में न्यायी लोग राज्य करते थे,
उन दिनों में देश में अकाल पड़ा।
एलीमेलेक (जिसका अर्थ है "मेरा परमेश्वर राजा है")नामक
एक एप्राती था, जो बैतलहम से निकल कर मोआब में आकर रहने लगा,
मोआब यरदन नदी के पूर्व में था...
यह एक संदिग्ध निर्णय था। मोआबी लंबे समय से
एलीमेलेक के लोगों के प्रति बैर रखते थे क्योंकि वे
मोआबियों को नाजायज़ संबंधों की पैदाइश मानते थे।
शायद एलीमेलेक अधिकार के पद वाला व्यक्ति था, इसलिए जब वह वहाँ से चला आया
तो उसके लोगों को ऐसा लगा जैसे उसने उन्हें छोड़ दिया है और उनको धोखा दिया है।
इससे भी बदतर, कुछ लोगों का ऐसा मानना था कि वह
इस्राएल के परमेश्वर को छोड़ कर मोआब के घिनौने देवता
पर भरोसा करने लगा है।
एलीमेलेक की पत्नी नाओमी ("प्रिय") थी। उनके दो बेटों के
नाम महलोन ("रोगी") और किल्योन ("बेकार") थे, इनका नाम
अकाल के दौरान रखा गया था।
एलीमेलेक मोआब में काफी समय
तक रहा... और फिर वहीं मर गया।
उसकी पत्नी, नाओमी को अपने बेटों की
देखभाल स्वयं ही करना पड़ा।
वे न तो अपने देश के लिए प्रतिविफादार साबित हुए ...
और न ही वहाँ के व्यवस्था के प्रति किल्योन अपनी पत्नी के
रूप में ओर्पा को को ले आया, एक मोआबी स्त्री। महलोन ने एक
मोआबी स्त्री के साथ विवाह किया जिसका नाम ... रूत था।
हालांकि वह बहुत सुंदर नहीं थी, मगर वह काफ़ी
हद तक एक निःस्वार्थ स्त्री थी।
हालाँकि, वह अपने पति को कोई
संतान नहीं दे पाई थी।

रूत 1:1-4

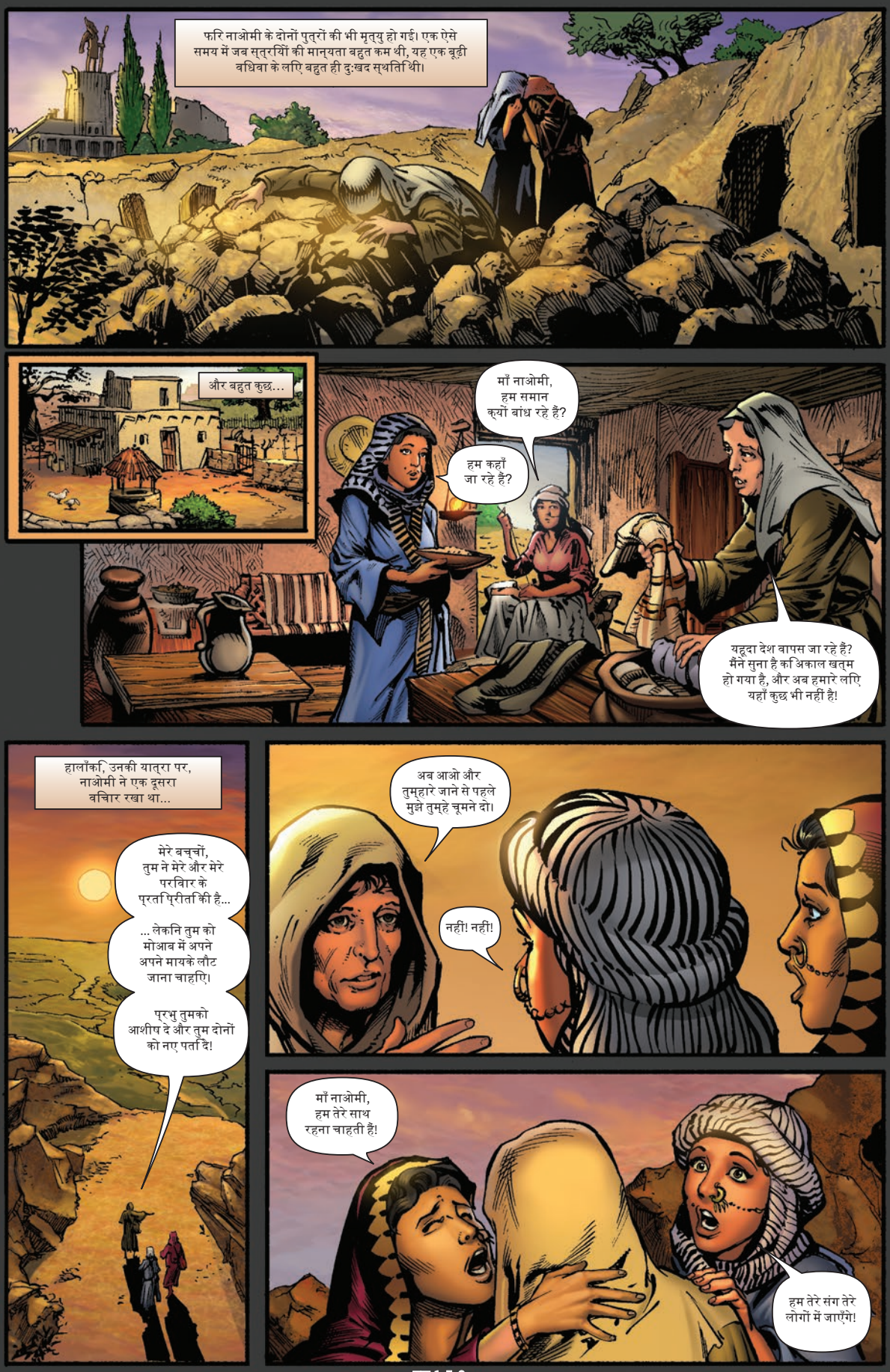
फिर नाओमी के दोनों पुत्रों की भी मृत्यु हो गई। एक ऐसे समय में जब स्त्रियों की मान्यता बहुत कम थी, यह एक बूढ़ी विधवा के लिए बहुत ही दुःखद स्थिति थी।
और बहुत कुछ...
माँ नाओमी, हम समान क्यों बांध रहे हैं?
हम कहाँ जा रहे हैं?
यहूदा देश वापस जा रहे हैं? मैंने सुना है कि अकाल खत्म हो गया है, और अब हमारे लिए यहाँ कुछ भी नहीं है!
हालाँकि, उनकी यात्रा पर, नाओमी ने एक दूसरा विचार रखा था...
मेरे बच्चों, तुम ने मेरे और मेरे परिवार के प्रति प्रीति की है...
... लेकिन तुम को मोआब में अपने अपने मायके लौट जाना चाहिए।
प्रभु तुमको आशीष दे और तुम दोनों को नए पति दे!
अब आओ और तुम्हारे जाने से पहले मुझे तुम्हे चूमने दो।
नहीं! नहीं!
माँ नाओमी, हम तेरे साथ रहना चाहती हैं!
हम तेरे संग तेरे लोगों में जाएँगे!

रूत 1:5-9

हे मेरी बेटियों-- लौट जाओ! तुम मेरे संग क्यों चलोगी?
मेरे पास तुमको देने के लिए और कोई पुत्र नहीं है! मैं विवाह करने के लिए या और बच्चे पैदा करने के लिए बहुत बूढ़ी हूँ!
और अगर मैं विवाह भी कर लू -- आज! -- और बच्चे पैदा करूँ, क्या तुम उनके सयाने होने तक प्रतीक्षा करोगी?
नहीं - और मैं तुम्हारे दुःख के लिए क्षमा प्रार्थी हूँ क्योंकि प्रभु का हाथ मेरे विरुद्ध उठा है!
ओर्पा ने नाओमी को अलविदा-चुम्बन दिया...परन्तु रूत उससे अलग न हुई।
तेरी जठिानी चली गई, रूत... उसके जैसा ही कर... अपने लोगों और अपने देवताओं के पास लौट जा!
नहीं!
कृपया मुझे तेरे को छोड़ कर जाने का आग्रह मत कर...
जधिर तू जाए, उधर मैं भी जाऊँगी...
जहाँ तू टकि, वहाँ मैं भी टकिूँगी...
तेरे लोग मेरे लोग होंगे, और तेरा परमेश्वर मेरा परमेश्वर होगा!
जहाँ तू मरेगी वहाँ मैं भी मरूँगी, और वहीं मुझे मट्टिी दी जाएगी...
यदि मृत्यु छोड़ और किसी कारण मैं तुझ से अलग होऊँ तो प्रभु मुझे दंड दे।

रूत 1:10-17

सही है बेटी... अब हम मोआब लौट जाने के बारे में बात नहीं करेंगे...
और वे वहाँ से नकिल गए, जौ कटने के समय के आरम्भ में बैतलहम पहुँचे।
हे परमेश्वर! क्या यह हमारी पुरानी पड़ोसी नाओमी है?
वह अजीब लग रही है -- मैं मुश्कलि से उसे पहचान पाई हूँ!
इसके साथ ये चपिचपी परदेशी स्त्री कौन है?
यह एक - मोआबनि है !!
ओह, नाओमी - क्या यह वास्तव में तू है?
तुझे क्या हुआ है?
तू इतने वर्षों कहाँ रही?
मेरे दोस्तों, परमेश्वर ने मेरे साथ बहुत कठोर व्यवहार किया है... मेरे पति और बेटे मर चुके हैं और उनको मोआब में दफनाया गया हैं।
मैं वहाँ भरी पूरी गई थी और लौटी खाली हूँ...
मुझे नाओमी मत कहो... मुझे मारा कहो... मुझे "मीठा" मत कहो ... मुझे "कड़वा" कहो...
आओ माँ नाओमी... चलो तुझे यहाँ बसाने में सहायता करते हैं।
ओह, नाओमी का क्या पतन हुआ है -- उसके बुढ़ापे में उसकी देखभाल करने के लिए उसके पास केवल एक ओछी मोआबी महिला है!

हालाँकि नाओमी के पास अभी भी एलीमेलेक की गिरवी रखी जमीन थी, लेकिन उसके पास रहने के लिए कोई घर नहीं था, इसलिए वे एक साधारण से तम्बू में रहते थे।
हमें भोजन चाहिए, माँ नाओमी। क्या मैं बीनने के लिए बाहर जाऊं? शायद कोई पुरुष हमारी मदद करे।
जा, मेरे बच्चे, लेकिन सावधान रहना ... बीनने वाले खतरनाक हो सकते हैं!
व्यवस्था के अनुसार फसल काटने वालों को खेतों के कोनों-कोनों से काटने की अनुमति नहीं थी...
इसी तरीके से गरीबों और परदेशियों के लिए इसे इकट्ठा (या "बीनने") के लिए छोड़ा जाता था।
रूत दोनों ही थी... और उसके पास अपने और नाओमी के भरण-पोषण के लिए कोई और रास्ता नहीं था।
ऐसा हुआ कि वह किसी ऐसे के खेत में आई जो एलीमेलेक के कुल का था!
वह बैतलहम में अच्छे पद का व्यक्ति था। उसका नाम बोअज था (जिसका अर्थ है "उस में शक्ति है")।
वह भी उसी समय बैतलहम से बाहर अपने लवनेवालों से मिलने आया...
प्रभु तुम्हारे संग रहे, मेरे बच्चों!
प्रभु तुझे आशीष दे, अच्छे स्वामी बोअज!

मुझे यह बताओ... वह किसी की कन्या है?
यह नाओमी की मोआबिन कन्या है! वह वास्तव में बहुत विनम्र और मेहनती है!
उसने बालें बटोरने की अनुमति मांगी थी और वह केवल एक छोटे सा अंतराल लेकर सुबह से यहाँ पर काम कर रही है!
अच्छा... मैंने दूसरों से इसके बारे में सुना है!
हालाँकि वे जानते थे कि बोअज एक दयालु व्यक्ति था, फिर भी इसके बाद जो हुआ वह देखकर सब हैरान रह गए...
सचमुच, रूत स्वयं भी बहुत आश्चर्यचकित थी!
सुन, मेरी बेटी। कहीं और बीनने को न जाना। मेरी ही युवा सुंदरियों के साथ रहना।
तू यहाँ सुरक्षित रहेगी। मैंने अपने जवानों को आदेश दिया है कि कोई तुझे न छुएँ!
जब तुझे प्यास लगे, तब तू उनके द्वारा कुएँ से लाया पानी पीना।

रूत 2:5-9

रूत अभिभूत हुई और बोआज के सामने भूमि तक झुककर मुँह के बल गिरी...
स्वामी, क्या कारण है कि तू ने मुझ परदेशिन पर कृपादृष्टि की है?
तूने अपनी सास के लिए जो कुछ किया है वह सब मैंने सुना है... कैसे तू एक अनजान देश में उसकी देखभाल के लिए अपना परिवार और देश को पीछे छोड़ आई!
प्रभु, इस्राएल का परमेश्वर, तूने जो भी किया है उसका फल दे। उसके पंखों तले तुझे शरण मिली है!
धन्यवाद स्वामी, मेरे साथ ऐसा व्यवहार करने के लिए जैसे कि मैं तेरी अपनी हूँ, हालाँकि मैं नहीं हूँ!
बाद में, भोजन के समय...
आकर खा, बेटी। रोटी का कौर सिरके में डुबा।
इसलिए रूत ने वहाँ पर बैठकर, पेट भर भुनी हुई बालें खाई। उसने कुछ बचा भी रखा।
तब वह फिर से बीनने लौट गई।

रूत 2:10-14

यह अच्छे चरित्र वाली एक जवान स्त्री है। अगर वह पूलों के बीच में बीने तो भी उसकी अनजाने में हुई गलती के लिए उस पर दोष मत लगाना।
और सभी लवनेवालों को कुछ-कुछ निकाल कर गिराने के लिए भी कहा।
जी, स्वामी।
अत: रूत साँझ तक खेत में बीनती रही। फिर उसने स्वयं दाने को फटका। यह लगभग कोई एपा भर जौ निकला!
वह उसे और खाने में बचे हुए भुनी हुई बालें को लेकर नाओमी के पास वापस आ गई।
"बहुत अच्छा, मेरी बेटी!" आज तूने कहाँ पर बीना? कुछ आदमी ने निश्चित रूप से तेरी सुधि ली और तुझे अच्छे से खाने के लिए दिया है!
हाँ, आज मैंने जिस पुरुष के लिए काम किया, उसकी कृपा-दृष्टी मेरे ऊपर थी।
उसका नाम बोअज है।

रूत 2:15-19

प्रभु उस अच्छे पुरुष को उसके लिए आशीष दे जो उसने आज किया है!
ओह, रूत--क्या तुझे पता है कि इसका क्या मतलब है? प्रभु ने हमें नहीं छोड़ा है!
बोअज हमारा एक करीबी कुटुम्बी है - यह उनमें से है जिनको हमारी भूमि छुड़ाने का अधिकार है!
और यह कृपादृष्टी केवल आज के लिए नहीं है, माँ नाओमी। उसने जोर देकर कहा कि मैं रोज बीनने के लिए वहीं पर आऊं ... हमेशा उसके लवनेवालों के निकट रहूँ!
यह तो बहुत अच्छी खबर है, बेटी... और, हाँ, सुरक्षा के लिए उसकी युवा सेवकियों के पास ही रहना है!
इसलिए रूत बोअज के लोगों के साथ ही जौ और गेहूँ की कटाई के अंत तक रही।
और वह अपनी सास के प्रति विश्वासयोग्य बनी रही, और वह जो कुछ भी बीनती उसे उसके साथ साझा करती रही।

रूत 2:20-23

एक दिन दोपहर के बाद...
मेरी बेटी, मुझे तेरे लिए एक आश्रय देखने की आवश्यकता है... किसी ऐसे व्यक्ति के साथ जो मेरे जाने के बाद तेरी देखभाल करेगा!
और मुझे ऐसा लगता है कि बोअज सही विकल्प होगा!
आखिरकार, क्या वह हमारा कुटुम्बी नहीं है?
सुन, बेटी... वह आज रात को खलिहान में जौ फटक रहा होगा...
तू स्नान कर... तेल लगा कर... अच्छे वस्त्र पहन ले... और वहाँ जा!
जब तक वह खा-पी न चुके हो तब तक अपने को उस पर प्रगट न करना...
तब तू उस के लेटने के स्थान को सही से देखना...
फिर जाकर उसके पाँव उघाड़ के... लेट जाना... तब वही तुझे बताएगा कि तुझे क्या करना चाहिये।
यह जोखिम भरा है... लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि मैं रूत के लिए एक आदमी दूं!
मैं... जो कुछ तू कहती है वह सब मैं करूँगी...

और जल्द ही...
मैं बहुत डरी हुई हूँ...
लेकिन मुझे अपनी सास की सुरक्षा के लिए ऐसा करना पड़ेगा...
उसके परिवार के पुनर्निर्माण मे मदद करने के लिए!
उसके सो जाने के बाद, वह चुपचाप आई और उसके पैरों के पास लेट गई।
आधी रात को, बोअज अचानक जाग गया और अपने पैरों के पास पड़ी स्त्री को देखकर कांप उठा!
कौ-कौन है? तू कौन है?
मैं तो तेरी दासी रूत हूँ, मेरे स्वामी।
तू अपनी दासी को अपनी चद्दर ओढ़ा दे और मुझे अपनी पत्नी के रूप में स्वीकार कर...
क्योंकि तू हमारा निकट संबंधी और रक्षक है!
हे बेटी, तुझ पर आशीष हो... क्योंकि तू किसी धनी या कंगाल, जवान के पीछे नहीं लगी।
यह तेरे द्वारा किए गए सभी चीजों की तुलना में नाओमी के प्रति अधिक निष्ठा प्रकट करता है!

रूत 3:6-10

हे मेरी बेटी, चिंता मत कर,... मैं वह करूँगा जो आवश्यक है। मेरे नगर के सब लोग जानते हैं कि तू भली स्त्री है।
हालाँकि, मैं छुड़ानेवाला कुटुम्बी हूँ, फिर भी एक और है जिसे मुझ से पहले ही छुड़ाने का अधिकार है। सुबह मैं देखूँगा कि वह तुझे छुड़ाता है कि नहीं।
अगर वह ऐसा करता है तो वह ऐसा करे...
परन्तु यदि वह ऐसा नहीं करता--तो प्रभु के जीवन की शपथ-- मैं ही वह काम करूँगा।
भोर तक यहाँ लेटी रह, बेटी... अभी यहाँ से जाना सुरक्षित नहीं है!
तो रूत सुबह होने तक वहीं रुकी रही... फिर बोअज ने प्रार्थना की:
हे प्रभु, तू जानता है कि मैंने रूत को छुआ नहीं है...
कृपया यह किसी को पता न चले कि वह यहाँ आई थी, ताकि तेरा नाम मेरे द्वारा ख़राब ना हो।
तब बोअज ने रूत को उतना अनाज दिया जितना वह उठा सकती थी... एक अच्छा उपहार, नाओमी को यह दिखाने के लिए कि उसने रूत को अपमानित करके नहीं भेजा है।
वह बैतलहम नगर में लौट आई...
कैसा रहा, मेरी बेटी?

रूत ने नाओमी को वह सब कुछ बताया जो बोअज ने उसके लिए किया था...
... और यह छः नपुए जौ उसने यह कहकर मुझे दिया, कि मुझे अपनी सास के पास खाली हाथ नहीं जाना चाहिए!
जरा ठहर, रूत... उस पुरुष को यह काम बिना निपटाए चैन न पड़ेगा... आज!
तब, बोअज़ सीधे फाटक के पास छुड़ानेवाले कुटुम्बी से मिलने चला गया...
इधर आ, दोस्त, और बैठ।
ओ, नमस्ते, चचेरे भाई बोअज़...
हमें किसी मामले को सुलझाना है!
तब बोअज ने दस वृद्ध लोगों को बैठने के लिए कहा। (ये कुल के अगवे या उन परिवारों के मुखिया थे जो बैतलहम पर शासन करते थे।)
धन्यवाद, मेरे भाइयों। मुझे अपने संबंधी के साथ यहाँ एक महत्वपूर्ण विषय पर चर्चा करनी है।
नाओमी जो मोआब देश से लौट आई है, वह हमारे भाई एलीमेलेक की एक टुकड़ा भूमि बेचना चाहती है जो उसने अकाल के समय गिरवी रखी थी...

इसलिए मैं तुझ से कहता हूँ कि इन बड़ों की मौजूदगी में इसे मोल ले, अगर तू ऐसा करना चाहता है तो...
अगर नहीं, तो मुझे बता, और मैं इसे मोल लूँगा, क्योंकि मैं तेरे बाद आता हूँ!
हुम्म्मम...
ऐसा करने के लिए, मुझे केवल नाओमी से विवाह करना होगा, जो अब बच्चा पैदा नहीं कर सकती है... और यह खेत मेरा हो जाएगा!
बिलकुल, मैं उसे छुड़ाऊँगा।
बस इतना स्पष्ट करना है, खेत मोल लेने का मतलब है कि तू रूत मोआबिन, महलोन की विधवा से विवाह करेगा, और रूत के साथ तेरा बेटे का पिता कानूनी रूप से महलोन होगा।
क्या--?! इसका मतलब है कि खेत वास्तव में कभी भी मेरी नहीं होगी... मैं इस मामले में पड़कर अपनी स्वयं की संपत्ति को कम करूँगा!
नहीं, नहीं, नहीं - यह मेरे लिए सही नहीं है! यह मेरी स्वयं की आर्थिक स्थिति को बिगड़ देगा!
यदि तू यह करना चाहता है तो कर, चचेरे भाई ... क्योंकि मैं ऐसा करने वाला नहीं हूँ!
(उन दिनों में छुड़ाने के विषय में सब पक्का करने के लिये यह प्रथा थी, कि मनुष्य अपनी जूती उतार के दूसरे को गवाहों की उपस्थिति में देता था।)

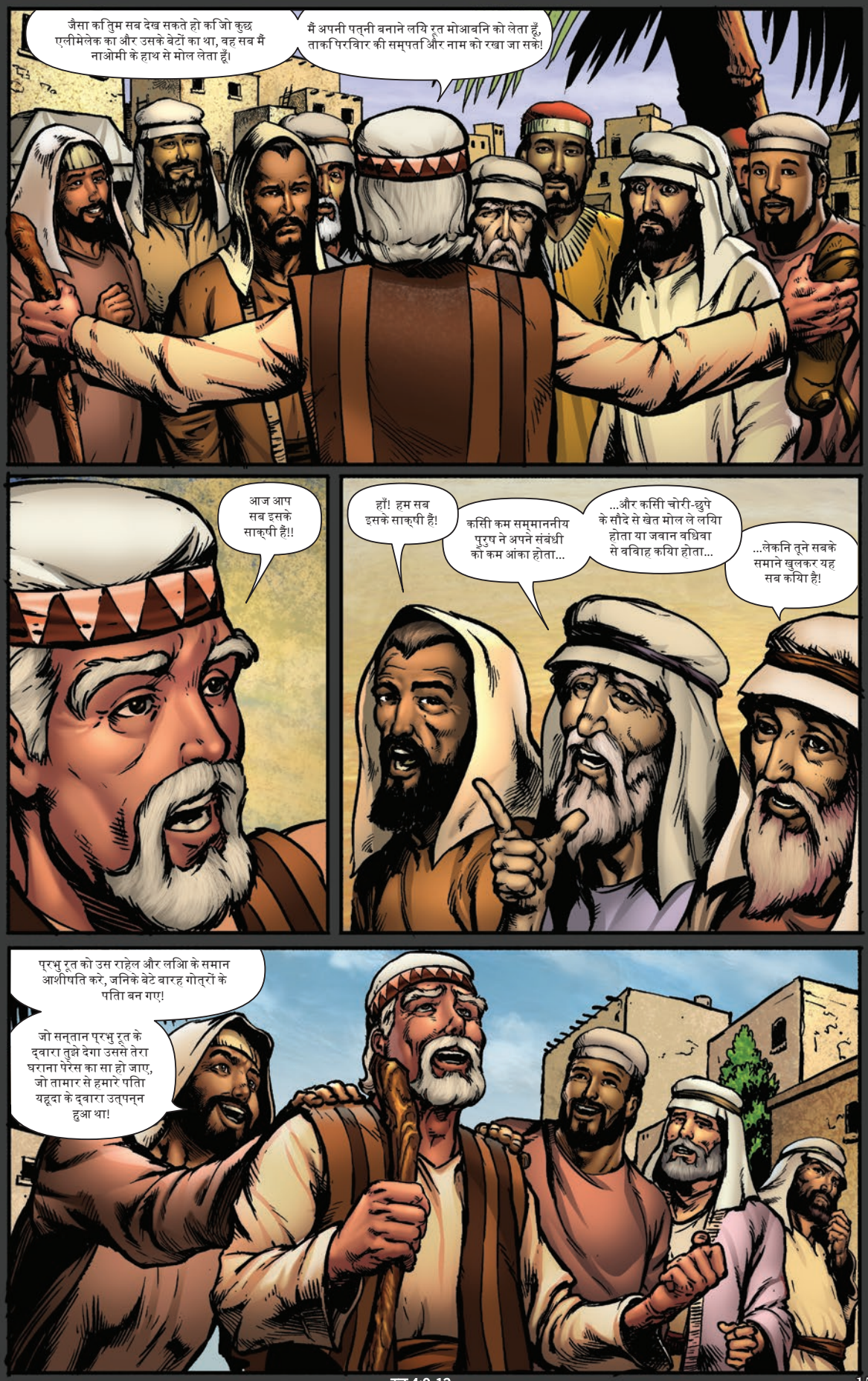
जैसा कि तुम सब देख सकते हो कि जो कुछ एलीमेलेक का और उसके बेटों का था, वह सब मैं नाओमी के हाथ से मोल लेता हूँ।
मैं अपनी पत्नी बनाने लिए रूत मोआबिन को लेता हूँ, ताकि परिवार की सम्पत्ति और नाम को रखा जा सके!
आज आप सब इसके साक्षी हैं!!
हाँ! हम सब इसके साक्षी हैं!
किसी कम सम्माननीय पुरुष ने अपने संबंधी को कम आंका होता...
...और किसी चोरी-छुपे के सौदे से खेत मोल ले लिया होता या जवान विधवा से विवाह किया होता...
...लेकिन तूने सबके समाने खुलकर यह सब किया है!
प्रभु रूत को उस राहेल और लिआ के समान आशीषित करे, जिनके बेटे बारह गोत्रों के पिता बन गए!
जो सन्तान प्रभु रूत के द्वारा तुझे देगा उससे तेरा घराना पेरेस का सा हो जाए, जो तामार से हमारे पिता यहूदा के द्वारा उत्पन्न हुआ था!

रूत 4:9-12

तब बोअज ने रूत से विवाह कर लिया... हालाँकि वह अपने पहले पति से निःसंतान थी, लेकिन प्रभु ने रूत को एक बेटा दिया...
प्रभु धन्य है, जिसने तुझे छुड़ानेवाले कुटुम्बी के बिना नहीं छोड़ा!
उसका नाम पूरे इस्राएल में जाना जाए!
वह जीवन पुनर्स्थापित करेगा और बुढ़ापे में तेरी देखभाल करेगा...
... क्योंकि तेरी बहू जिसने तेरे से सात बेटों से भी श्रेष्ठ प्रेम रखा है, उसने उसको जन्म दिया है
हाँ! नाओमी के एक बेटा उत्पन्न हुआ है!!!
...और उन्होंने उसे ओबेद ("सेवक") नाम दिया।
पेरेस की वंशावली यह है, जो यहूदा में सबसे प्रसिद्ध गोत्र का पिता हैं, जिससे बोअज़ था...
पेरेस हेस्रोन का पिता था...
हेस्रोन से राम...
नहशोन से सल्मोन...
ओबेद से यशि...
सलमोन से बोअज़...
अम्मीनादाब से नहशोन...
राम से अम्मीनादाब...
बोअज़ ओबेद का पिता था...
यशि से इस्राएल का महान राजा दाऊद हुआ।
इस तरह से, रूत और बोअज़ मसीहा...यीशु मसीह के पूर्वज थे!

एल्काना नाम का एक पुरुष था जो एप्रैम के पहाड़ी देश का निवासी था, उसकी दो पत्नियाँ थीं।

एक का नाम हन्ना और दूसरी का पनिन्ना था।

पनिन्ना के तो उससे बालक हुए परन्तु हन्ना के कोई बालक न हुआ।

हर साल वह बलि देने के लिए शीलो नगर में जाता था।

यहाँ दो याजक, होप्नी और पीनहास थे, जो याजक एली के बेटे थे।

बलि के दिन, एल्काना अपनी पत्नी पनिन्ना को और उसके सब बेटे-बेटियों को कुछ अंश दिया करता था।

परन्तु हन्ना को वह अधिक अंश दिया करता था - क्योंकि वह हन्ना से प्रीति रखता था - और उसको उस पर दया आती थी क्योंकि उसकी कोई संतान नहीं थी।

शायद परमेश्वर तुझको भूल गया है -- तू बच्चा पैदा करने में सक्षम नहीं है।

लेकिन मैं - मैं अपने पति को दोनों बेटों और बेटियों को देने में सक्षम हूँ।

तू क्यों नहीं खाती है और इतना क्यों रोती है?

क्या तेरे लिये मैं दस बेटों से भी अच्छा नहीं हूँ?

1 शमूएल 1:1-8

शीलो में आराधना करने के लिए गए एक यात्रा पर, हन्ना प्रार्थना करने के लिए निवास-स्थान में गई।
हे प्रभु, यदि तू मेरे दुःख पर दृष्टि करे और मुझे पुत्र देगा - तो मैं उसे उसके जीवन भर के लिये तुझे अर्पण करूँगी।
तू प्रभु के निवास-स्थान में क्यों पी रही है? अपना नशा उतार।
ऐसा नहीं है मेरे प्रभु! मैं तो दुःखिया स्त्री हूँ और मैं तो अपने मन की बात खोलकर प्रभु से कह रही थी।
मैं कोई दुष्ट स्त्री नहीं हूँ - सिर्फ बहुत दुःखी और शोक में हूँ।
कुशल से चली जा और इस्राएल का परमेश्वर तुझे मन चाहा वर दे।
तेरी दासी, तेरी दृष्टि में अनुग्रह पाए।
परमेश्वर ने उसकी प्रार्थना सुनी और उसने अपने पति एल्काना के लिए बेटे को जन्म दिया।
उसने उसका नाम शमूएल रखा, जिसका अर्थ था "परमेश्वर का सुना हुआ।"

1 शमूएल 1:9-20

1 शमूएल 1:21-2:11

हालाँकि, एली के बेटे दुष्ट थे...
तुम्हे मांस के उस भाग को नहीं लेना हैं!
याजक के रूप में, मैं जो कुछ भी चाहता हूँ, ले सकता हूँ।
तू मेरे संग चल?
तू यह कैसे कर सकता है? यह वह जगह है जहाँ हम परमेश्वर की आराधना करते हैं।
हर तरह से, वे परमेश्वर की भेंट का तिरस्कार करते थे।
...परमेश्वर की दृष्टि में बहुत भारी पाप हुआ।
शमूएल की माँ ने उसके लिये एक छोटा सा बागा बनाया और वह याजक एली के समान सनी का एपोद पहनकर उसकी टहल किया करता था।
और एली ने एल्काना और उसकी पत्नी को आशीर्वाद दिया।

प्रभु तुझे अधिक सन्तान दे जो इस बालक के बदले हो जिसे तुमने प्रार्थन कर के पाया और प्रभु को अर्पण किया।
और परमेश्वर ने उन्हें तीन बेटे और दो बेटियाँ दीं।

लेकिन याजक ने अपने बेटों को उनके बुरे व्यवहार के लिए फटकारा...
यदि एक मनुष्य दूसरे मनुष्य का अपराध करे, तब तो परमेश्वर उसका न्याय करेगा -- परन्तु यदि कोई मनुष्य यहोवा के विरुद्ध पाप करे, तो उसके लिये कौन विनती करेगा?
...लेकिन उनके दिल कठोर थे और उन्होंने अपने पिता पर कोई ध्यान नहीं दिया।

1 शमूएल 2:12-19

शमूएल परमेश्वर के अनुग्रह और मनुष्यों के कृपादृष्टि में बढ़ता गया।
लेकिन परमेश्वर ने एली के घर अपना एक दूत भेजा।
क्या मै तेरे पिता के घराना में प्रकट नहीं हुआ जब वे मिस्र में थे?
मैं ने तुझे इस्राएल के सब गोत्रों में से इसलिये चुन लिया था कि तू मेरी वेदी पर सेवा टहल करे और धूप जलाए।
तू मेरी बलि को क्यों पाँव तले रौंदते हो?
तू क्यों अपने पुत्रों का मुझ से अधिक आदर करते हो?
इसलिये सुनों इस्राएल के प्रभु-- परमेश्वर की यह वाणी है।
जो मेरा आदर करें मैं उनका आदर करूँगा, और जो मुझे तुच्छ जानें वे छोटे समझे जाएँगे।
तेरे घर और परिवार में कोई कभी बूढ़ा न होने पाएगा।
तेरे दोनों बेटे -- तेरे लिए चिह्न के रूप में -- एक ही दिन मर जाएँगे।
मैं अपने लिये किसी ऐसे को ठहराऊँगा, जो मेरे हृदय और मन की इच्छा के अनुसार किया करेगा
मैं उसका घर दृढ़ता से स्थापित करूँगा, और वह मेरे अभिषिक्त के आगे आगे हमेशा चला फिरा करेगा।

1 शमूएल 2:26 - 36

उन दिनों में यहोवा का वचन दुर्लभ था।
लेकिन एक रात प्रभु बोला...
क्या आज्ञा।
मैं यहां हूं; आपने मुझे पुकारा।
नहीं मेरे बेटे, मैं ने नहीं पुकारा। फिर जा और लेट जा।
तीसरी बार ऐसा होने के बाद, एली ने निर्देश दिया...
यदि तू फिर से ऐसी पुकार सुने, तो तू कहना, 'हे प्रभु कह, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है।'
शमूएल! शमूएल!
कह, क्योंकि तेरा दास सुन रहा है।
मैं इस्राएल में एक ऐसा काम करने पर हूँ जिससे सब सुननेवालों पर बड़ा सन्नाटा छा जाएगा।
मैं एली के विरुद्ध वह सब कुछ पूरा करूँगा जो मैं ने पहले से कहा है।
उसके पुत्र ने मेरे लिए घृणित काम किये हैं, और उसने उन्हें नहीं रोका।
उनके पाप का प्रायश्चित नहीं होगा।

1 शमूएल 3:1-14

शमूएल मेरे बेटे, मेरे पास आ।

क्या आज्ञा।

कल रात परमेश्वर ने तुझे क्या बताया?

उसे मुझ से न छिपा।

यहोवा ने मुझे कहा कि वह इस्राएल में कुछ नया काम करने जा रहा है -- लोग भयभीत होंगे।

और तेरे परिवार नष्ट हो जाएगा -- जिसमें होप्नी और पीनहास शामिल हैं - क्योंकि उन्होंने प्रभु के लिए घृणित काम किए हैं।

वह तो प्रभु है। जो कुछ वह भला जाने वही करे।

प्रभु शमूएल के साथ था और सभी लोगों ने जान लिया कि वह परमेश्वर का नबी था।

परमेश्वर ने स्वयं को शमूएल पर अपने वचन के द्वारा प्रगट किया और सभी लोगों ने शमूएल के वचनों को बहुत महत्व दिया।

1 शमूएल 3:15-21

परमेश्वर की भविष्यवाणी सच साबित हुई क्योंकि पलिश्तियों बड़ी संख्या में इस्राएल के लोगों से युद्ध करने को आए।
लड़ाई के पहले दिन में, चार हज़ार से अधिक इस्राएली मारे गए।
परमेश्वर ने ऐसा क्यों किया?
हम क्यों हराया गया है?!
हमें वाचा का संदूक को शीलो से वापस लाना चाहिए।
याहहह !!
अब हम पराजित नहीं हो सकते हैं - परमेश्वर हमारे साथ हैं क्योंकि वाचा का संदूक हमारे शिविर में है।
वाचा का संदूक हमें अजेय बनाता है।
उस छावनी में परमेश्वर आ गया है- अब हम मुसीबत में हैं!
ये तो वे ही देवता हैं जिन्होंने मिस्रियों पर जंगल में सब प्रकार की विपत्तियाँ डाली थीं।
तुम हियाव बाँधो, और पुरुषार्थ जगाओ- या तुम भी इब्री के अधीन हो जाओ।

1 शमूएल 4: 1-9

अगले दिन और भी अधिक मरे -- तीस हज़ार इस्राएल के सैनिक को पलिश्ती की सेना के सामने गिर गए।
और पलिश्ती सेना ने उनके बहुत बड़ा पुरस्कार छीन लिया - परमेश्वर का सन्दूक।
और प्रभु की भविष्यवाणी सच हुई -- उसी दिन एली के दोनों दुष्ट बेटे होप्नी और पीनहास मारे गए।

1 शमूएल 4: 10-11

ऐसे हुल्लड़ का क्या मतलब है - और सन्दूक कहाँ है?
हम पलश्तियों के सामने गिर गए और बड़ा भयानक संहार हुआ।
तेरे दोनों बेटे भी मारे गए...
...और वाचा का संदूक अब खतनारहित पलश्तियों के हाथों में है।
ज्योंही एली ने विनाश की खबर सुनी, पछाड़ खाकर गिर पड़ा - और उसकी गर्दन टूट गई।
उसी समय, उसकी बहू पीनहास की स्त्री, ने बच्चे को जन्म दिया।
जब वह मरने लगी तो उसने ये निर्देश दिए...
उसका नाम ईकाबोद रखा -- क्योंकि इस्राएल में से महिमा उठ गई है।

1 शमूएल 4:12-22

जीते हुए पलश्तियों ने परमेश्वर का सन्दूक एबेनेजेर से उठाकर अशदोद में ले आए।
और उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक को उठाकर दागोन के मन्दिर में पहुँचाकर दागोन के पास रख दिया।
अगले दिन...
दागोन को क्या हुआ?!
वह औंधे मुँह भूमि पर गिरा। यह किसने किया?
दागोन को उठाकर उसी के स्थान पर फिर खड़ा करना होगा।
...ताकि वह हमारे लोगों की देख-रेख कर सके, चाहे हम समुद्र में हो या भूमि पर।
...या युद्ध में।
अगले दिन...
दागोन -- इसके हाथ टूट गए...
और उसका सिर... सब कुछ नीचे डेवढ़ी पर गिरी हुई है।
हमने इब्रानियों के परमेश्वर को नाराज कर दिया है!

1 शमूएल 5:1-5

इस्राएल के परमेश्वर के सन्दूक से छुटकारा पाओ - यह हमारे साथ नहीं रहना चाहिए!
उसका हाथ हम पर -- और हमारे देवता दागोन के विरुद्ध है।
अगली बार यह दागोन का सिर नहीं होगा -- यहाँ हमारा सिर होगा!
बहुत अच्छे, हम इसे गत नगर में ले जाएँगे।

इस सन्दूक को ले जाओ -- उनका परमेश्वर हमें सजा दे रहा है!
यह दर्दनाक है- ये गिलटियाँ मुझे मार रही हैं!
यह इब्रानियों के परमेश्वर का काम है -- हमने सुना है कि उसने मिस्रियों के साथ ऐसा कैसे किया था।
याआईईई!
इस शापित चीज को एक्रोन ले जाओ।

इसके ले कर दूर हो- तुम हमारे नगर में प्रवेश नहीं करोगे!
हम इस्राएल के परमेश्वर के शाप में नहीं आएँगे।

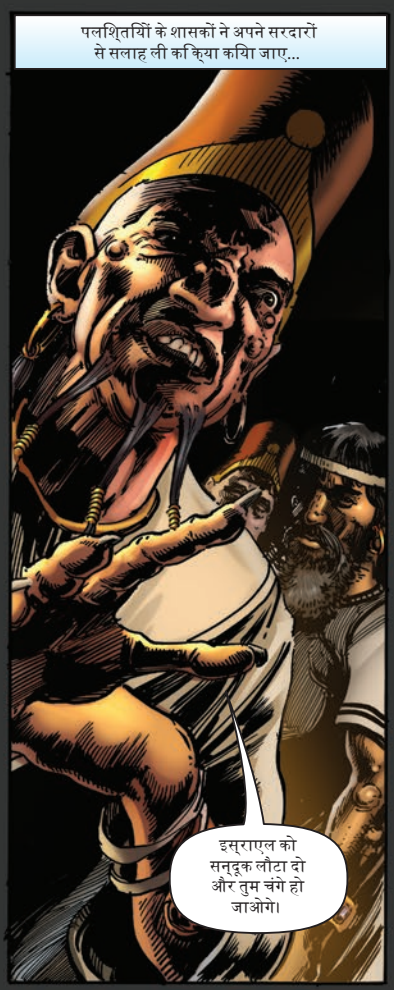
पलिश्तियों के शासकों ने अपने सरदारों से सलाह ली कि क्या किया जाए...
इस्राएल को सन्दूक लौटा दो और तुम चंगे हो जाओगे।

"अपनी गिलटियों और अपने देश के नष्ट करनेवाले चूहों की भी मूरतें बनाओ।"
"दो गायों के साथ जो जूए तले न आई हों एक गाड़ी द्वारा सन्दूक को भेजो।"
"यदि वे इस्राएल के और चले तो यह परमेश्वर का हाथ है।"
"अगर ऐसा नहीं होता तो यह संयोग ही से हुई है।"

1 शमूएल 5:6 -- 6:13

देखो -- यह वाचा का संदूक है।
मुझे विश्वास नहीं हो रहा है -- परमेश्वर ने इसे अपने लोगों को लौटा दिया है।
इनको देखो -- सोने की गलिटियाँ और सोने के चूहे।
यह परमेश्वर का काम है - हमें उसका सम्मान करना चाहिए।
गाड़ी की लकड़ी को चीरो और इन गायों का परमेश्वर को होमबलि देने के लिए उपयोग करो।
हाँ, प्रत्येक के पाँच- पलिश्तियों के पाँचों नगरों के दोषबलि के लिए।
आआयईई!
लेकिन उस नगर के सत्तर लोगों की मृत्यु हो गई... क्योंकि उन्होंने परमेश्वर के सन्दूक के भीतर झाँकने का साहस किया था।
करियत्यारीम के लोगों ने जाकर प्रभु का सन्दूक को उठाया -- सन्दूक की रक्षा करने के लिये एलीआज़ार को याजक के रूप में पवित्रा किया गया।

1 शमूएल 6:13 - 7:1

सन्दूक बीस साल तक किरियत्यारीम में रहा और लोग वास्तव में प्रभु के पीछे चलने लगे।
हम अपने दुश्मनों के हाथों पीड़ित हुए हैं।
परमेश्वर ने हमें त्याग दिया है क्योंकि हमने उसे त्याग दिया है।
यदि तुम अपने पूरण मन से यहोवा की ओर फिरे हो, तो पराए देवताओं को अपने बीच में से दूर करो और अपने आप को प्रभु को सौंप दे।
हम करेंगे! और हम केवल यहोवा ही की सेवा करेंगे।
फिर मिस्पा पर मुझसे मिलना।
लोगों ने उपवास किया और अपने पापों का अंगीकार प्रभु के सामने किया।
उन्होंने निर्देशानुसार परमेश्वर की आराधना शुरू कर दी।
पलिश्ती इकट्ठे हुए हैं।
उन्हें आने दो।

1 शमूएल 7:2 - 10

क्रैक!
यह क्या है?
बूम!
यह फिर से इस्राएल के परमेश्वर का काम है -- भागो!
परमेश्वर हमारे साथ है!
देखो कैसे पलिश्ती हमसे बचकर भाग रहे हैं।
उनका पीछा करो - परमेश्वर ने उन्हें हमारे हाथ में दे दिया है।
इस दिन को याद रखो, इस्राएल के लोगों।
यह पत्थर का स्तंभ एक अनुस्मारक है कि 'यहाँ तक प्रभु ने हमारी सहायता की है।'
यहाँ तक प्रभु ने हमारी सहायता की है।
यहाँ तक प्रभु ने हमारी सहायता की है!
शमूएल के जीवन भर परमेश्वर का हाथ पलिश्तियों के विरुद्ध बना रहा।
शमूएल जीवन भर इस्राएल में घूम-घूमकर, इस्राएलियों का न्याय करता रहा।

1 शमूएल 7:10-17

Kiswahili

عربی

中文简体字

नेपाली

Türkmençe

Türk

հայերեն

فارسی

Точик

हिंदी

SUPERBIBLE

Қазақ

The Bible in Explained in Every Language.

русский

Kurmancî

Română

Кыргызча

Azəri

বাংলা

中文繁體字

"THE BIBLE EXPLAINED
IN EVERY LANGUAGE."

SUPERBIBLE.TV